



SWAMI VIVEKANAND
SUBHARTI
UNIVERSITY
UGC Approved Meerut



AN ISO 21001: 2018 ORGANIZATION

OFFICE OF THE REGISTRAR

Gp Capt M Yakoob

M-in-D (Retd.), M.Tech.

REGISTRAR

registrar@subharti.org

Ref.No.U-508(i)/SVSU/2025/1269

Date:04.01.2025

NOTIFICATION

It is hereby notified for information of all the concerned that the Academic Council in its 33rd meeting held on 29-12-2023 vide resolution No.33(58) has approved the ordinance^{on} course, curriculum & syllabus (revised) of the following:

Ordinance No.V-21 (B1), relating to M.A.-Hindi

Ordinance No.V-21 (B5), relating to M.A.-English

Ordinance No.V-21 (B8), relating to M.A.-Sanskrit

The copies of all above are enclosed and shall be applicable from Academic Session 2024-25 onwards.

This issues with the approval of the Hon'ble Vice Chancellor.

Ref.No.U-508(i)/SVSU/2025/1269

Copy forwarded to information of:

1. Hon'ble Vice-Chancellor
2. Controller of Examination
3. Dean-Academics
4. Director-IQAC
5. Dean-FASS & HOD-Languages (for compliance please)
6. CTO (with a request to upload the ordinance on University website)
7. Additional Registrar-Academics
8. Guard File

Yakoob
04.01
2025
Registrar

Date: 04.01.2025

Yakoob
04.01
2025
Registrar

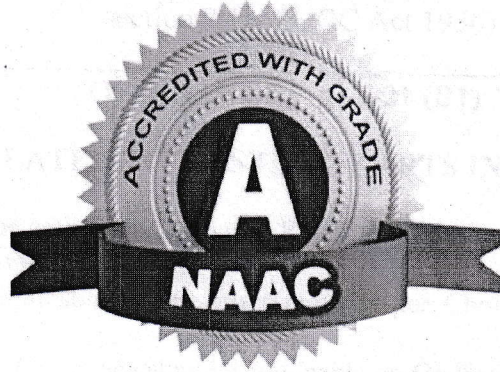


0121 6678000

Subhartipuram, NH-58, Delhi-Haridwar Bypass Road, Meerut-250005 (U.P.) INDIA

Ordinance No. V-21(B1) – M.A. - Hindi

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY, MEERUT, U.P.
(Established under U.P. Govt. Act no. 29 of 2008 and approved under section 2(f) of UGC Act 1956)



Curriculum

Two Year Post Graduation Program

M.A. Hindi

[Signature]
DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

[Signature]
HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

**Rahul Sankrityayan Subharti School of Linguistics and
Foreign Languages
Faculty Of arts and Social Sciences**

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY
(Established under U.P. Govt. Act no. 29 of 2008 and approved under
section 2(f) of UGC Act 1956)

ORDINANCE No. V-21 (B1)

RELATED TO MASTER OF ARTS IN HINDI

1. This ordinance may be called the Ordinance Relating to Master of Arts (M.A.) in Hindi Literature and Language.
1. This Ordinance is applicable to PG programme as per Choice Based Credit System (CBCS) Semester Mode
2. The provisions of this Ordinance shall be applicable on **Ordinance No. V-21 (B1)** Master of Arts HINDI. It shall come into force from session 2024-2025.

Semester Wise Syllabus

M. A. I Year/ Semester – I

Code	Course	Course Type	Teaching Load perweek				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
A010701T (Major Course)	हिन्दी साहित्य का इतिहास	(Theory)	3	1	1	5	04	25	75	100
A010702T (Major Course)	प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य		3	1	1	5	04	25	75	100
A010703T (Major Course)	उत्तर मध्यकालीन काव्य		3	1	1	5	04	25	75	100
A010704T (Major Course)	अनुसंधान प्रविधि		3	1	1	5	04	25	75	100
A010705P (Major Course)	Project/ Book Review परियोजना/पुस्तक समीक्षा	Project	3	1	1	5	06	25	75	100

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

Total	22	125	375	500
-------	----	-----	-----	-----

M. A. I Year/ Semester – I

Code	Course	Course Type	Teaching Load per week				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
A010801T (Major Course)	हिन्दी उपन्यास प्रेमचंद पर विशेष अध्ययन	(Theory)	3	1	1	5	04	25	75	100
A010802T (Major Course)	छायावाद एवं प्रगतिवाद		3	1	1	5	04	25	75	100
A010803T (Major Course)	हिन्दी आलोचना		3	1	1	5	04	25	75	100
A010804T (Major Course)	भारतीय काव्यशास्त्र		3	1	1	5	04	25	75	100
A010805P (Major Course)	Project/ Dissertation परियोजना/ लघु शोध प्रबंध	Project	3	1	1	5	08	50	150	200
Total							24	125	375	600

M. A. Hindi - II Year/ Semester – III

Code	Course	Course Type	Teaching Load per week				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
A010901T	नाटक एवं रंगमंच	(Theory)	3	1	1	5	04	25	75	100

DEAN
Faculty of Art & Social Sciences
S.V. University

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

A010902T	हिन्दी गद्य विधाएँ		3	1	1	5	04	25	75	100
A010903TA/ A010903TB/ A010903TC विशेष प्रश्नपत्र	(1) प्रवासी साहित्य (2) अस्मितामूलक विमर्श (3) प्रयोजनमूलक हिन्दी		3	1	1	5	04	25	75	100
A010904T	प्रयोगवाद एवं नई कविता		3	1	1	5	04	25	75	100
A010905P	Project/ Research Paper परियोजना/ शोध पत्र	Project	3	1	1	5	06	25	75	100
Total							22	125	375	500

M. A. Hindi - II Year/ Semester – IV

Code	Course	Course Type	Teaching Load per week				Credit	Marks		Total Marks
			L	T	P	Total		Continuous Comprehensive Assessment (CCA)	End-Semester Examination (ESE)	
Core Course										
A011001T	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	(Theory)	3	1	1	5	04	25	75	100
A011002T	पत्रकारिता		3	1	1	5	04	25	75	100
A0101003T	कथा साहित्य		3	1	1	5	04	25	75	100
A0101004T	भाषा विज्ञान		3	1	1	5	04	25	75	100
A011005P	Project/ Dissertation परियोजना/ लघु शोध प्रबंध	Project	3	1	1	5	08	50	150	200
Total							24	125	375	600

PROGRAMME OUTCOMES

- PO 1- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य, भाषा एवं विभिन्न जीवनानुसंबन्धी विषयों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- PO 2- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, विभिन्न विधाओं एवं हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- PO 3- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- PO 4- भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- PO 5- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, मानवीय मूल्यों तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

PO 6- विद्यार्थियों रोजगार प्राप्त की सामर्थ्य विकसित होगी। उनमें सरकारी व निजी संस्थाओं में शिक्षण व शिक्षणेत्तर क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की योग्यता विकसित होगी।

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty		Year :First	Semester : First
Subject : Hindi			
Course Code : A010701T		Course Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास	
COURSE OBJECTIVES:			
1- छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास तथा नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य की जानकारी प्रदान करना।			
2- छात्र भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि व इसके महत्व की जानकारी प्रदान करना।			
3- विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और आधार के विषय में अवगत कराना।			
4- हिंदी साहित्य के आधुनिक युग का परिचय प्रदान करना।			
COURSE OUTCOMES-			
CO 1- छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन कर सकेंगे।			
CO 2- नाथ सिद्ध और जैन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।			
CO 3- छात्र भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।			
CO 4- रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और आधार की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।			
Credits – 4		Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5			
Unit	Topic		No. of Lectures-75
I	हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल काल विभाजन और नामकरण आदिकाल की पृष्ठभूमि		15
II	नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य		15
III	भक्तिकालीन साहित्य, भक्तिकाल की पृष्ठभूमि निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा, निर्गुण प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा कृष्ण भक्ति काव्य रामभक्ति काव्य		15
IV	रीतिकाल रीतिकालीन साहित्य , रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि और आधार ,रीतिकालीन कविता का स्वरूप		15
V	आधुनिक साहित्य : आधुनिक साहित्य की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग		15

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -
- रीति काल की भूमिका डा नगेन्द्र -
- काव्यशास्त्र डा भगीरथ मिश्र -

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

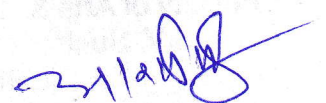
Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : A010702T	Course Title : प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य	
COURSE OBJECTIVES:		
1- छात्रों को आदिकालीन और भक्तिकालीन रचनाओं के माध्यम से तदयुगीन परिस्थितियों की जानकारी प्रदान करना ।		
2- छात्रों को चंदबरदाई कृत पद्मावती समय का परिचय प्रदान करना ।		
3- छात्रों को कबीर ग्रंथावली एवं सूरदास के भ्रमरगीत सार का परिचय प्रदान करना ।		
4- छात्रों को मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत का परिचयप्रदान करना ।		
COURSE OUTCOMES-		
CO 1- छात्र आदिकालीन और भक्तिकालीन रचनाओं का अध्ययन एवं तदयुगीन परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।		
CO 2- चंदबरदाई कृत पद्मावती समय का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।		
CO 3- कबीर ग्रंथावली एवं सूरदास के भ्रमरगीत सार का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 4- मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	चंदबरदायी : पद्मावती समय, संपादित -हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह। अमीर खुसरो : पहेलियाँ एवं मुकरियाँ ।	15

DEAN
Faculty of Arts & Social Sciences
S.V. Subharti University
MEERUT

HEAD
Department of Languages
Faculty of Art & Social Sciences
Swami Vivekanand Subharti University
MEERUT

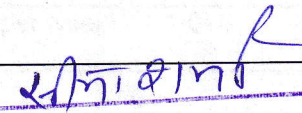
	विद्यापति : पदावली । पद- के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास, सखि हे , कि पुछसि अनुभव मोए, कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि।	
II	कबीर : कबीर ग्रन्थावाली -संपादक -डा. श्यामसुन्दर दास - 50 साखियां) प्रारंभिक(15
III	मलिक मुहम्मद जायसी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -संपादक - पद्मावत ;, नागमती वियोग खंड।	15
IV	सूरदास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल । - संपादक - भ्रमरगीत सार :7, 8, 23, 30 ,41, 42, 52, 57, 64, 69, 70, 85, 90 ,94 97, 101, 104, 105, 116, 134, 136, 143, 155, 166, 186, 194, 210, 220, 221।	15
V	तुलसीदास: रामचरितमानस, गीता प्रेस, (उत्तरकाण्ड के आरंभिक 40 दोहे (मीरा (सं विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारम्भिक 20 पदा	15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारतीय काव्यशास्त्र - डा- सत्यदेव चौधरी • मलिक मुहम्मद जायसी - पद्मावत 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz <p>Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.</p>		

Programme / Class	Year :First	Semester : First
Bachelor (Research) in Faculty		
Subject : Hindi		
Course Code : A010703T	Course Title : उत्तर मध्यकालीन काव्य	
<p>COURSE OBJECTIVES:</p> <p>1- छात्रों को रीतिकालीन रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन काव्य प्रवृत्तियों एवं समाज की जानकारी प्रदान करना।</p> <p>2- छात्र को बिहारी सतसई का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।</p> <p>3- घनानंद के प्रारंभिक कवित्तों का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।</p> <p>4- भूषण के काव्य का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।</p> <p>COURSE OUTCOMES-</p> <p>CO -1- छात्र रीतिकालीन रचनाओं के माध्यम से हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।</p> <p>CO 2- छात्र बिहारी सतसई के कुछ प्रमुख दोहों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।</p> <p>CO 3- छात्र घनानंद के प्रारंभिक कवित्त की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।</p> <p>CO 4- छात्र भूषण के काव्य का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे।</p>		



Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	उत्तर मध्यकाल (रीति काल : संवत् 1700-1900) उत्तर मध्यकालीन काव्य से अभिप्राय। रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रीतिकालीन कवि।	15
II	बिहारी 40 प्रारम्भिक दोहे) बिहारी बोधिनी, संपा लाला भगवानदीन (15
III	घनानंद 25 प्रारम्भिक कवित्त) घनानंद कवित्त, संपा, विश्वनाथ प्रताप मिश्र (15
IV	केशवदास 25 प्रारम्भिक कवित्त) रामचन्द्रिका से (15
V	भूषण 15 प्रारम्भिक दोहे) भूषण ग्रंथावली संपा .डा. भगीरथ दीक्षित(15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ul style="list-style-type: none"> • बिहारी बोधिनी, संपा लाला भगवानदीन • घनानंद कवित्त, संपा, विश्वनाथ प्रताप मिश्र • रामचन्द्रिका, केशवदास • भूषण ग्रंथावली संपा .डा .भगीरथ दीक्षित 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz <p>Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as “SWAYAM” in India and Abroad.</p>		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :First	Semester : First
Subject : Hindi		
Course Code : A010704T	Course Title : अनुसंधान प्रविधि	
<p>COURSE OBJECTIVES: साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों और तकनीकों की व्यापक समझ। अनुसंधान के समय ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम होना। वर्तमान अनुसंधान और अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण, समस्याओं से निपटने और सुलझाने की क्षमता का निर्माण एवं मौखिक प्रस्तुति और वैज्ञानिक लेखन कौशल प्राप्त करना। शोध की क्षमता का निर्माण, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता का निर्माण, विषय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण विद्यार्थियों में होगा।</p>		
Course Outcomes-		


 HEAD
 Department of Languages
 Faculty of Art & Social Sciences
 Swami Vivekanand Subharti University
 MEERUT

CO 1- विद्यार्थी साहित्य का गहन ज्ञान और अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों और तकनीकों की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

CO 2-विद्यार्थी अनुसंधान के समय ज्ञान के अनुप्रयोग में मौलिकता का प्रदर्शन करने में सक्षम बन सकेंगे।

CO 3-विद्यार्थियों में शोध की क्षमता का निर्माण एवं शोध लेखन की समझ विकसित होगी।

CO 4-शोध की क्षमता का निर्माण, शोध लेखन की समझ, शोध प्रस्तुति की क्षमता का निर्माण, विषय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण विद्यार्थियों में होगा।

Credits – 5

Max. Marks : 100

Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5

Unit	Topic	No. of Lectures
		75
I	अनुसंधान- परिभाषा और स्वरूप, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान का महत्व, अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग अनुसंधान। आलोचना, अनुसंधान और चिंतन।	15
II	अनुसंधान के सोपान अनुसंधान या शोध के सोपान, अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान की प्रक्रिया और प्रविधि, अनुसंधानकर्ता और निर्देशक, निर्देशक के गुण, निर्वाचन, शोध की रूपरेखा, शोध सामग्री, शोध लेखन, शोध प्रबंधन का विषय पुनरावलोकन एवं संपादन।	15
III	शोध प्रबंध का मुद्रण एवं प्रस्तुति शोध प्रबंध का मुद्रण एवं प्रस्तुति, प्रबंध परीक्षण और मौखिकी, तुलनात्मक अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप, तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य और प्रयोजन, तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता, तुलनात्मक अध्ययन का महत्व।	15
IV	तुलनात्मक अध्ययन तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धान्त, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएं, तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ, पाठानुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान, भाषावैज्ञानिक अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान, हिंदी अनुसंधान की प्रगति।	15
V	अनुसंधान में तकनीकी अनुसंधान में कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग तथा सांख्यिकीय अनुशीलन, हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अबतक किए गए अनुसंधान का इंटरनेट पर सर्वेक्षण, अनुसंधान में कंप्यूटर का उपयोग।	15

हायक ग्रंथ :

1. अनुसंधान की प्रक्रिया डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्यातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. अनुसंधान पद्धति की विवेचना- डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
3. शोध प्रविधि- विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. अनुसंधान की समस्याएं, डॉ ओम प्रकाश, आर्य बुक डिपो करोल बाग, नई दिल्ली ।
5. अनुशीलन, शोध विशेषांक, भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class	Year : First	Semester : First
Bachelor (Research) in Faculty	Subject : Hindi	
Course Code : A010705P	Course Title : Book Review (पुस्तक समीक्षा)	
COURSE OBJECTIVES:		
1- इसका उद्देश्य है सामाजिक चर्चा को प्रेरित करना एवं लोगों के बीच विवाद और विचार-विमर्श को बढ़ावा देना।		
2- साहित्य में लेखकों की पहचान बनाने में मदद करना।		
3- पाठकों को गुणवत्ता और विविधता के साथ पुस्तकों की खोज करने में मदद करना।		
4- पुस्तकों के विषय, लेखक और प्रकार की पहचान करने में सहायता करना।		
5- विद्यार्थियों को पुस्तक के लेखक और प्रकाशकों के प्रति विश्वास का मानदंड प्रदान करना।		
COURSE OUTCOMES-		
CO 1- पुस्तक की गुणवत्ता का सही ढंग से मूल्यांकन होगा ।		
CO 2. नई पुस्तकों का अन्वेषण होगा, जिससे विद्यार्थियों को नई और रोचक विषय प्राप्त होंगे ।		
CO 3. पुस्तकों के संबंध में स्वस्थ विचार-विमर्श होगा ।		
CO 4. विभिन्न लेखकों की विभिन्न विधाओं में उनकी विचारधारा को समझने में सहायता प्राप्त होगी।		
5. नवीन लेखकों को साहित्य के क्षेत्र में पहचान का लाभ होगा।		
Credits – 6	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=6		

आवश्यक निर्देश-

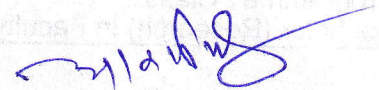
छात्र /विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से छात्राएँ/विषय का चयन करेंगे। यह लगभग 15 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

वायवा एवं परियोजना/शोध पत्र / Viva & Project/Research Paper 25+75 = 100 कुल अंक

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : A010801T	Course Title : हिन्दी उपन्यास प्रेमचंद पर विशेष अध्ययन	
COURSE OBJECTIVES:		
1- विद्यार्थियों को प्रेमचंद के व्यक्तित्व-कृतित्व के माध्यम से तत्कालीन समाज की जानकारी प्रदान करना।		
2- प्रेमाश्रम उपन्यास के द्वारा कृषि समाज एवं युगीन भारतीय समाज की जानकारी प्रदान करना।		
3- रंगभूमि उपन्यास की कथावस्तु के माध्यम से औद्योगीकरण की समस्या, स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद के प्रभाव का परिचय प्रदान करना।		
4- गबन उपन्यास के माध्यम से तदयुगीन मध्यमवर्गीय समाज की समस्याओं एवं राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना।		
COURSE OUTCOMES:		
CO 1- छात्र प्रेमचंद के व्यक्तित्व-कृतित्व एवं तत्कालीन समाज की जानकारी का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 2- प्रेमाश्रम उपन्यास के द्वारा कृषि समाज एवं युगीन भारतीय समाज का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 3- छात्र रंगभूमि उपन्यास की कथावस्तु के माध्यम से औद्योगीकरण की समस्या, स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद के प्रभाव को समझ सकेंगे।		
CO 4- गबन उपन्यास के माध्यम से तदयुगीन मध्यमवर्गीय समाज की समस्याओं एवं राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को जान सकेंगे।		
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रेमचंद का व्यक्तित्व और जीवन दृष्टि , प्रेमचंद का साहित्य, प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ , प्रेमचंद के उपन्यास और हिन्दी आलोचना	15
II	गोदान : किसान जीवन और गोदान, गोदान के नारी-पात्र, गोदान :अंतर्वस्तु का विश्लेषण गोदान :शिल्प विधान) औपन्यासिक शिल्प (होरी का चरित्र	15
III	प्रेमाश्रम: प्रेमाश्रम और कृषि समाज, प्रेमाश्रम युगीन भारतीय समाज और प्रेमचंद का आदर्शवाद	15

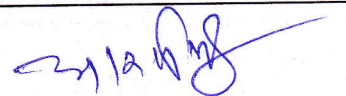
	, प्रेमाश्रम का औपन्यासिक शिल्प , ज्ञानशंकर का चरित्र	
IV	रंगभूमि: रंगभूमि और औद्योगीकरण की समस्या , रंगभूमि पर स्वाधीनता आन्दोलन और गाँधीवाद का प्रभाव , रंगभूमि औपन्यासिक शिल्प , सूरदास का चरित्र	15
V	गबन : गबन और , राष्ट्रीय आन्दोलन, गबन और मध्यवर्गीय समाज , गबन का औपन्यासिक शिल्प	15
सहायक ग्रंथ : <ul style="list-style-type: none"> • प्रेमचन्द और उसका युग - डॉ .रामविलास शर्मा • प्रेमचन्द और भारतीय किसान - डॉ .रामबक्ष • कलम का सिपाही - अमृतराय • प्रेमचन्द का नारीचित्रण - डॉ .गीता लाल, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली • प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान - डॉ .कमल किशोर गोयनका 		
Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks): <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz 		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : A010802T	Course Title : छायावाद एवं प्रगतिवाद	
COURSE OBJECTIVES: <ol style="list-style-type: none"> 1- विद्यार्थियों को छायावाद एवं प्रगतिवाद पर्यंत हिंदी काव्य की संवेदनाओं, भावनाओं एवं नूतन विचारों से परिचित कराना। 2- मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कृत राम की शक्ति पूजा की काव्यगत विशताओं तथा दोनों कवियों से परिचय कराना। 3- सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा की काव्य कृतियों से परिचय कराना। 4- नागार्जुन एवं केदारनाथ अग्रवाल की काव्य रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की जानकारी प्रदान करना। 		
COURSE OUTCOMES: <p>CO 1- विद्यार्थी छायावाद एवं प्रगतिवाद पर्यंत हिंदी काव्य की संवेदनाओं, भावनाओं एवं नूतन विचारों को जान सकेंगे ।</p> <p>CO 2- छात्र मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कृत राम की शक्ति पूजा के अध्ययन उपरांत इन दोनों कवियों की काव्यगत विशताओं को जान सकेंगे ।</p> <p>CO 3- सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा की काव्य कृतियों का अध्ययन कर सकेंगे।</p> <p>CO 4- छात्र नागार्जुन एवं केदारनाथ अग्रवाल की काव्य रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।</p>		



Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	छायावाद का अर्थ और स्वरूप, स्वच्छन्दतावाद और छायावाद के अंतर्संबंध। छायावाद और संस्कृत की काव्यशास्त्रीय परम्परा।, छायावाद की मूल प्रवृत्तियाँ। प्रगतिवाद का अर्थ और स्वरूप, प्रगतिवाद की मूल प्रवृत्तियाँ।	15
II	मैथिलीशरण गुप्त -साकेत का नवमसर्ग, जयशंकर प्रसाद - कामायानी श्रद्धा सर्ग , लज्जा सर्ग, इडा सर्ग, आनन्द सर्ग।	15
III	सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला - 'राम की शक्ति पूजा , जूही की कली, सरोज स्मृति ।	15
IV	सुमित्रानंदन पन्त - नौका विहार, परिवर्तन, मौन निमन्त्रण, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र । महादेवी वर्मा - बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल हैं प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप, कौन तुम मेरे हृदय में?, तुम सो जाओ मैं गाऊं।	15
V	नागार्जुन-अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान केदानाथ अग्रवाल -युग की गंगा, रांगेय राघव -पांचाली।	15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ul style="list-style-type: none"> • हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास -डा. तारकनाथ वाली। • साकेत -मैथिलीशरण गुप्त। • कामायानी -जयशंकर प्रसाद। • राम की शक्ति पूजा -सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला'। • 'यामा -'महादेवी वर्मा। 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz <p>Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.</p>		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Secend
Subject : Hindi		



Course Code : A010803T		Course Title : हिन्दी आलोचना	
COURSE OBJECTIVES:			
1- छात्रों को हिंदी आलोचना के स्वरूप एवं विकास की जानकारी प्रदान करना।			
2- विद्यार्थियों का आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताओं से परिचय कराना।			
3- छात्रों को आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताओं की जानकारी प्रदान करना।			
4- विद्यार्थियों को रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताओं की जानकारी प्रदान करना।			
COURSE OUTCOMES:			
CO 1- छात्र हिंदी आलोचना के स्वरूप एवं विकास को समझ सकेंगे।			
CO 2- छात्र आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।			
CO 3- छात्र आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताओं को जान सकेंगे।			
CO 4- छात्र रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे			
Credits – 4		Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5			
Unit	Topic		No. of Lectures-75
I	हिन्दी आलोचना का स्वरूप और विकास- आलोचना आलोचना का स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण, हिंदी आलोचना की विभिन्न प्रणालियाँ - सैद्धांतिक, मनोवैज्ञानिक, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, स्त्रीवादी तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना।		15
II	मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता, अस्मितामूलक विमर्श।		15
III	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताएँ।		15
IV	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताएँ।		15
V	रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताएँ। नामवर सिंह की साहित्यिक मान्यताएँ।		15
सहायक ग्रंथ :			
<ul style="list-style-type: none"> • हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • हिन्दी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद • हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी • पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण -रामधारी सिंह' दिनकर' 			

21/2/20

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : A010804T	Course Title : भारतीय काव्यशास्त्र	
COURSE OBJECTIVES: 1- विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य शास्त्र के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय प्रदान करना। 2- रस सिद्धांत का परिचय प्रदान करना। 3- अलंकार सिद्धांत एवं रीति सिद्धांत का परिचय प्रदान करना। 4- ध्वनि एवं वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय परिचय प्रदान करना।		
COURSE OUTCOMES: CO 1- छात्र भारतीय साहित्य शास्त्र के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कर सकेंगे। CO 2- रस सिद्धांत का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। CO 3- अलंकार सिद्धांत एवं रीति सिद्धांत का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	भारतीय साहित्य शास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय। भारतीय साहित्यशास्त्र की अवधारणा। रस सिद्धांत- रस का स्वरूप, भरतमुनि का रससूत्र, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, तत्संबंधी भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा प्रदत्त व्याख्याओं का विवेचन, साधारणीकरण की अवधारणा।	15
II	अलंकार सिद्धांत- 'अलंकारशब्द की व्युत्पत्ति', अलंकार की परिभाषा, अलंकार विषयक आचार्यों के मतों का विवेचन, अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार और अलंकार का मनोवैज्ञानिक आधार, अलंकार और रस, काव्य में अलंकार का स्थान।	15

III	रीति सिद्धांतशब्द की व्युत्पत्ति 'रीति' -, रीति की परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीतिभेद के आधार, रीतिभेद, रीति और गुण, रीति और शैली।	15
IV	ध्वनि सिद्धांतशब्द की व्युत्पत्ति 'सिद्धांत' -, ध्वनि की परिभाषाएँ, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति, ध्वनि के भेदअभिधामूला -, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि, ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद, ध्वनि सिद्धांत का महत्व।	15
V	वक्रोक्ति सिद्धांत- 'वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का परिचय, वक्रोक्ति का महत्व। औचित्य सिद्धांत- 'औचित्य की परिभाषा, औचित्य विचार, औचित्य का स्वरूप, औचित्य का महत्व।	15

सहायक ग्रंथ :

- भारतीय काव्यशास्त्र खंड)1 और 2): आचार्य बलदेव उपाध्याय।
- रीतिकाव्य की भूमिका नगेंद्र। .डॉ :
- भारतीय काव्यशास्त्र सत्यदवे चैधरी। .डॉ :
- साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत राममूर्ति त्रिपाठी। .डॉ :
- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा- संपा नगेंद्र। .डॉ .
- भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान जगदीश प्रसाद कौशिक। .डॉ -

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :First	Semester : Secend
Subject : Hindi		
Course Code : A010805T	Course Title : लघु शोध प्रबंध	

(Handwritten Signature)

Credits – 08

Max. Marks : 200

COURSE OBJECTIVES:

- 1- विद्यार्थियों को विभिन्न शोध प्रविधियों का ज्ञान प्रदान करना।
- 2- शोध के विभिन्न चरणों का ज्ञान का ज्ञान प्रदान करना।
- 3- शोधार्थियों में शोध प्रबंध लेखन की योग्यता विकसित करना।
- 4- शोधार्थियों में उनके शोध के द्वारा ज्ञान क्षेत्र में सकारात्मक सहयोग करने की सामर्थ्य उत्पन्न करना।

COURSE OUTCOMES:

- CO 1- छात्र विभिन्न शोध प्रविधियों का ज्ञान प्राप्त कर उनकी विशेषताओं को पहचान सकेंगे।
- CO 2- शोध के विभिन्न चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 3- शोधार्थी शोध प्रबंध लेखन का ढंग सीख सकेंगे।
- CO 4- शोधार्थी अपने शोध के द्वारा ज्ञान के क्षेत्र में अपना सकारात्मक सहयोग करने योग्य बन सकेंगे।

आवश्यक निर्देश-

छात्रचयन करेंगे। लघुशोध छात्राएँ विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से लघु शोध प्रबन्ध के विषय का प्रबन्ध लगभग 50 पृष्ठों का होना चाहिए। लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन आन्तरिकबाह्य परीक्षक द्वा/रा किया जाएगा।

वायवा एवं लघु शोध प्रबन्ध/ Viva & Dissertation-50 +150 = 200 कुल अंक

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year : II	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : A010901T	Course Title : नाटक एवं रंगमंच	

COURSE OBJECTIVES:

- 1- विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों की जानकारी प्रदान करना।
- 2- रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंग शिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक एवं रंगमंच लोकनाट्य संस्थान पारसी थिएटर आदि का परिचय प्रदान करना।
- 3- प्रमुख नाटकों को पढ़ाना तथा आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना।
- 4- विभिन्न नाटककारों एवं एकांकीकारों का परिचय प्रदान करना।

COURSE OUTCOMES:

- CO 1- छात्र भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 2- रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंग शिल्प, रंग संप्रेषण के विविध घटक, रंगमंच लोकनाट्य संस्थान एवं पारसी थिएटर आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 3- प्रमुख नाटकों को पढ़ उनका आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- CO 4- विभिन्न नाटककारों एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त कर उनके जीवनानुभवों से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	नाटक एवं रंगमंच परिचय नाट्य भेद- भारतीय रूपका।(सामान्य परिचय) उपरूपकों के भेद-	15
II	नाट्य विधान: भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचना। रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंग शिल्प, रंग सम्प्रेषण के विविध घटक - रंगमंच (मर्तू एवं अमूर्त) लोकनाट्य संस्थाएँ, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, नुक्कड़ नाटक।	15
III	नाटक: अंधेर नगरी- भारतेन्दु हरिश्चंद्र। जयशंकर प्रसाद- चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी।	15
IV	नाटक: आधे-अधूरे - मोहन राकेश।, बकरी- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।	15
V	एकांकी: एक घूँट- जयशंकर प्रसाद। अण्डे के छिलके- मोहन राकेश। चारूमित्रा- राजकुमार वर्मा। आखिरी आदमी- धर्मवीर भारती।	15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ul style="list-style-type: none"> • प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ प्रसाद शर्मा। • अंधेर नगरी- भारतेन्दु हरिश्चंद्र। • चन्द्रगुप्त- जयशंकर प्रसाद। • आधे मोहन राकेश। -अधूरे- • अंधायुग- धर्मवीर भारती। 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz <p>Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.</p>		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : A010902T	Course Title : नाटक एवं रंगमंच	

(Handwritten Signature)

Credits – 04

Max. Marks : 100

COURSE OBJECTIVES:

- 1- विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण हिंदी निबंधों एवं विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय प्रदान करना।
- 2- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं के लेखकों तथा उनकी रचनाओं के द्वारा सकारात्मक प्रेरणा प्रदान कर, कौशल युक्त बनाना।
- 3- हिंदी में आत्मकथा लेखन की परंपरा एवं प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय प्रदान करना।
- 4- संस्मरण, रिपोर्टाज एवं यात्रा वृत्तांत जैसी गद्य विधाओं का परिचय प्रदान करना।

COURSE OUTCOMES:

- CO 1- छात्र महत्वपूर्ण हिंदी निबंध एवं विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 2- छात्र प्रमुख निबंधकारों का परिचय प्राप्त कर उनके जीवनानुभवों से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 3- छात्र हिंदी में आत्मकथा लेखन की परंपरा एवं प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- CO 4- छात्र संस्मरण, रिपोर्टाज एवं यात्रा वृत्तांत जैसी गद्य विधाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5

Unit	Topic	No. of Lectures-75
इकाई-1	हिंदी की प्रमुख गद्य विधाएँ: हिंदी निबंध का उद्भव और विकास, हिंदी निबंध के प्रकार, हिंदी के प्रमुख निबंधकार।	15
इकाई-2	निबंध - बालकृष्णा भट्ट साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - महावीर प्रसाद द्विवेदी कवि और कविता - आचार्य रामचन्द्र शुक्लकविता क्या है -? महादेवी वर्मा साहित्यकार की आस्था। -	15
इकाई-3	आत्मकथा- पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'- अपनी खबर, ओमप्रकाश वाल्मीकि -जूठन जीवनी- राम विलास शर्मा- निराला की साहित्य साधना , शिवरानी देवी-प्रेमचंद घर में।	15
इकाई-4	संस्मरण- रविन्द्र कलिया- गालिब छुटी शराब (संस्मरण) रिपोर्टाज- धर्मवीर भारती- युद्ध यात्रा (रिपोर्टाज)	15
इकाई-5	यात्रा वृत्तांत:-राहुल सांकृत्यायन - मेरी तिब्बत यात्रा	15

सहायक ग्रंथ :

- अपनी खबर- पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'-
- जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- निराला की साहित्य साधना - राम विलास शर्मा-
- शिवरानी देवी-प्रेमचंद घर में।

Signature

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

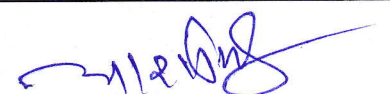
Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year : Secend	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : A010903TA	Course Title : प्रवासी साहित्य	
Credits – 04	Max. Marks : 100	
COURSE OBJECTIVES:		
भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना सदैव रही है। हमारी संस्कृति में सभी के भावों और विचारों को पूर्ण सम्मान एवं स्थान मिला है। स्वतन्त्रता से पूर्व कुछ भारतीय विदेश गए वहीं बस गए। उन्होंने अपनी संस्कृति, वेशभूषा एवं भाषा को विदेशी भूमि पर भी संजोये रखा। इसी की अनुगूँज उनकी साहित्यिक कृतियों में दिखाई पड़ती है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य छात्रों को विदेशों में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों की साहित्य यात्रा का ज्ञान कराना है जिससे यह पता चल सके कि भारतीय साहित्य कितना विशाल एवं सम्पूर्ण है।		
Course Outcome-		
1. विदेशों में हिंदी भाषा एवं लेखन की वैश्विकता का ज्ञान होगा।		
2. भारतवंशी लेखकों की रचनात्मकता में भारतीय संस्कृति एवं समाज के योगदान का ज्ञान होगा।		
3. छात्र वैश्विक स्तर पर हिंदी एवं साहित्य के विस्तार एवं व्यापकता से परिचित हो सकेंगे।		
4. छात्रों को विदेशों में प्रवासी भारतीय साहित्यकारों की साहित्य यात्रा का ज्ञान प्राप्त होगा।		
Credits – 5	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures 75
I	प्रवासी हिंदी साहित्य : अवधारणा एवं इतिहास	15
II	प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध विधाएं, प्रवासी हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	15
III	अभिमन्यु अनत- लाल पसीना (उपन्यास)	15
IV	प्रवासी हिन्दी कहानी: अमेरिका- सुषम बेदी- अवसान, सुधा ओ ढींगरा - खिड़कियों से झाँकती आँखें। अनिल प्रभा कुमार - मैं रमा नहीं, अमरेंद्र कुमार- चिड़िया।	15

V	ब्रिटने: जकिया जुबैरी - सांकल, उषा वर्मा-राँनी, महेन्द्र दवेसर- ईबू, तेजेन्द्र शर्मा- पासपोर्ट का रंग।	15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रवासी हिंदी साहित्य - कमल किशोर गोयनका। 2. बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद 'द्विवेदी' 3. शेखर एक जीवनी (भाग-1) - अज्ञेय। 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz <p>Suggested equivalent online courses:</p> <p>IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.</p>		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty		Year : Secend	Semester : Third
Subject : Hindi			
Course Code : A010903TB		Course Title : अस्मितामूलक विमर्श	
Credits – 04		Max. Marks : 100	
Course Outcomes			
CO -1 छात्र दलित साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे ।			
CO -2 छात्र दलित साहित्य के विविध विधाओं से अवगत हो सकेंगे ।			
CO -3 छात्र आदिवासी साहित्य के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जान सकेंगे ।			
CO -4 छात्र स्त्री विमर्श के तदयुगीन परिस्थितियों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।			
CO -5 छात्र थर्ड जेंडर की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे ।			
Credits – 5		Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	दलित साहित्य : स्वरूपअवधारणा एवं विकासक्रम , दलित साहित्य का सैद्धांतिकी आधार		15
II	दलित साहित्य की विभिन्न विधाएँ एवं महत्पूर्ण रचनाएँ		15
III	आदिवासी साहित्य - उद्भव एवं विकास, वैचारिकी, परम्परा और संस्कृति		15



IV	स्त्री विमर्श -अर्थ स्वरूप एवं ,ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य स्त्री मुक्ति आन्दोलन ,स्त्री विमर्श का उद्देश्य	15
V	थर्ड जेंडर -अभिप्रायअवधारण एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ,	10

पाठ्य पुस्तकें

- दलित विमर्श की भूमिका
- हिन्दी दलित कहानियाँ संघर्ष का मूल स्वर'दीपांकर' आशीष कुमार -
- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्रशरण कुमार लिम्बाले -
- स्त्री उपेक्षिता प्रभा खेतान -
- आदिवासी साहित्य परम्परा और प्रयोजनवंदना टेटे -
- किन्नर गाथाशीला डागा -
- जूठन -ओमप्रकाश वाल्मीकि(आत्मकथा)
- छप्पर - जयप्रकाश कर्दम (उपन्यास)
- सुरंग- दयानंद बटरोही (कहानी)
- नंगा सत्य -सुशीला टॉकभौरे (नाटक)

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester :
Subject : Hindi		
Course Code : A010903TC	Course Title : प्रयोजनमूलक हिन्दी	

COURSE OBJECTIVES:

- 1- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के विविध रूप -सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रीय भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा की जानकारी प्रदान करना।
- 2- विद्यार्थियों को व्यवसायिक हिंदी का ज्ञान प्रदान कर उन्हें रोजगार पाने में सहयोग करना।
- 3- जनसंचार के स्वरूप, महत्व एवं विभिन्न माध्यमों का परिचय प्रदान करना।
- 4- कंप्यूटर एवं इंटरनेट के क्षेत्र में हिंदी के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।

COURSE OUTCOMES-

- CO1- छात्र हिंदी भाषा के विविध रूप- सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रीय भाषा और अंतर्राष्ट्रीय भाषा को समझ सकेंगे।
- CO2- छात्र व्यवसायिक हिंदी का ज्ञान प्राप्त कर रोजगार पाने में सफल हो सकेंगे।
- CO3- छात्र जनसंचार के स्वरूप, महत्व एवं विभिन्न माध्यमों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

(Handwritten signature)

Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		
Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	हिन्दी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप हिन्दी भाषा के विविध रूप -सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा। हिन्दी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप -प्रयोजनमूलक हिन्दी :परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ।	15
II	कार्यालयी, वाणिज्य-व्यवसाय की हिन्दी राजभाषा हिन्दी -संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।	15
III	कार्यालयी हिन्दी -स्वरूप और विशेषताएँ। कार्यालयी लेखन -स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संश्लेषण, पल्लवन, प्रतिवेदन, अभ्यास।	15
IV	मीडिया लेखन जनसंचार- स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय। श्रव्य माध्यम लेखन -स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन, अभ्यास। दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन -स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, निवेदन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण।	15
V	कम्प्यूटर-इंटरनेट और हिन्दी कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय। इंटरनेट का सामान्य परिचय। हिन्दी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि।	15
सहायक ग्रंथ :		
<ul style="list-style-type: none"> • 		
Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):		
<ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz 		
Suggested equivalent online courses:		
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		

Signature

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Subject : Hindi	
Course Code : A010702T		
COURSE OBJECTIVES:		
1- अनुसंधान के मुख्य लक्ष्यों को स्थापित करना हैं जैसे नई जानकारी प्राप्त करना, समस्याओं का समाधान ढूंढना, नए तकनीकी समाधान विकसित करना।		
2- नई प्रक्रियाओं या उत्पादों की खोज करना और वैज्ञानिक या तकनीकी संबंधों में समझ बढ़ाना।		
3- शोधार्थियों में शोध प्रबंध लेखन की योग्यता विकसित करना।		
4- शोधार्थियों में उनके शोध के द्वारा ज्ञान क्षेत्र में सकारात्मक सहयोग करने की सामर्थ्य उत्पन्न करना।		
COURSE OUTCOMES-		
1. परियोजना शोध के क्षेत्र में नई जानकारी और अनुभव का विकास करता है जो आगे बढ़ने में मदद करता है।		
2. यह नए तकनीकी उत्पाद या प्रक्रियाओं का विकास करता है जो समाज को लाभ पहुंचाते हैं।		
3. यह अनुसंधानकर्ताओं की विशेषज्ञता को बढ़ाता है और उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में मान्यता प्राप्त करने में मदद करता है।		
4. शोध परियोजनाएं नए उत्पादों या प्रक्रियाओं के रूप में आर्थिक लाभ प्रदान कर सकती हैं और नौकरी के अवसर उत्पन्न कर सकती हैं।		
5. शोधार्थी शोध प्रबंध लेखन का ढंग सीख सकेंगे तथा शोध के क्षेत्र में अपना सकारात्मक सहयोग करने योग्य बन सकेंगे।		
आवश्यक निर्देश-		
छात्र /छात्राएँ विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से/परियोजना/लघु शोध प्रबंध के विषय का चयन करेंगे। परियोजना/लघु शोध प्रबंध पत्र लगभग 50 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।		
वायवा एवं परियोजना/शोध पत्र / Viva & Project/Research Paper 50+150 = 200 कुल अंक		

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year : Secend	Semester : Third
Subject : Hindi		
Course Code : A010902T	Course Title : Project/Research Paper परियोजना/शोध पत्र	

(Handwritten Signature)

Credits – 06

Max. Marks : 100

COURSE OBJECTIVES:

- 1- अनुसंधान के मुख्य लक्ष्यों को स्थापित करना हैं जैसे नई जानकारी प्राप्त करना, समस्याओं का समाधान ढूंढना, नए तकनीकी समाधान विकसित करना।
- 2- नई प्रक्रियाओं या उत्पादों की खोज करना, और वैज्ञानिक या तकनीकी संबंधों में समझ बढ़ाना।
- 3- शोध पत्र लिखने के उद्देश्य अपने अनुसंधान का परिणाम और विचारों को दूसरों के साथ साझा करना।
- 4- विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा के साथ प्रस्तुत करना भी होता है।
- 5- यह उन्हें अनुसंधान की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने की अनुमति देता है और आपकी विशेषज्ञता को प्रमोट करता है।

COURSE OUTCOMES:

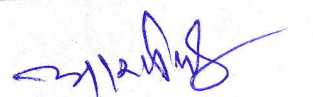
1. परियोजना शोध के क्षेत्र में नई जानकारी और अनुभव का विकास करता है जो आगे बढ़ने में मदद करता है।
2. यह नए तकनीकी उत्पाद या प्रक्रियाओं का विकास करता है जो समाज को लाभ पहुंचाते हैं।
3. यह अनुसंधानकर्ताओं की विशेषज्ञता को बढ़ाता है और उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में मान्यता प्राप्त करने में मदद करता है।
4. शोध परियोजनाएं नए उत्पादों या प्रक्रियाओं के रूप में आर्थिक लाभ प्रदान कर सकती हैं और नौकरी के अवसर उत्पन्न कर सकती हैं।

आवश्यक निर्देश-

छात्र छात्राएँ विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से/परियोजना/शोध पत्र के विषय का चयन करेंगे। परियोजना/शोध पत्र लगभग 15 से 20 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

वायवा एवं परियोजना/शोध पत्र / Viva & Project/Research Paper 25+75 = 100 कुल अंक

Subject : Hindi		
Course Code : A011001T	Course Title : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
MAHINDI-401		
COURSE OBJECTIVES :		
1- विद्यार्थियों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विकास क्रम का परिचय प्रदान करना।		
2- प्लेटो एवं अरस्तु के काव्य सिद्धांतों का ज्ञान प्रदान करना।		
3- आई ए रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत प्रदान करना।		
4- टी एस इलियट के निर्व्यक्तिता सिद्धांत का ज्ञान प्रदान करना।		
COURSE OUTCOMES :		
CO -1 छात्र पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विकास क्रम का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
CO -2 प्लेटो एवं अरस्तु के काव्य सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
CO -3 आई ए रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत को जान सकेंगे।		
CO -4 टी एस इलियट के निर्व्यक्तिता सिद्धांत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5		



Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय प्लेटो : काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत अरस्तू के काव्य सिद्धांत अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना। विरचन सिद्धांत : विरचन स्वरूप तथा व्याख्याएँ, विरचन का महत्व, त्रासदी विरचन।	15
II	उदात्त सिद्धांत : लॉजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लॉजाइनस का योगदान। आई . ए . रिचर्ड्स का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत : काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, आई . ए . रिचर्ड्स का योगदान। इलियट की निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत : इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप, इलियट का योगदान।	15
III	क्रोचे का अभिव्यंजनावाद : स्वरूप विवेचन, कला के साथ का संबंध, अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत।	15
IV	प्रतीकवाद : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, महत्व एवं सीमाएँ। बिंबवाद : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, काव्य में महत्व। मिथक : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, काव्य में महत्व। कल्पना : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, काव्य में महत्व। फैंटेसी : स्वरूप विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, काव्य में महत्व।	15
V	समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकता ।	15
<p>सहायक ग्रंथ :</p> <ul style="list-style-type: none"> • अरस्तू का काव्यशास्त्र – डा. नगेंद्र • समीक्षालोक - डा . भगीरथ मिश्र • पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद • पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डा . कृष्णदेव शर्मा • भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन : डा . बच्चन सिंह 		
<p>Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):</p> <ul style="list-style-type: none"> • Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus. • Test with multiple choice questions / short and long answer questions. • Research Orientation of the student. • Quiz 		
<p>Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.</p>		

2/1/2018

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty		Year :	Semester : Fourth
Subject : Hindi			
Course Code : A011002T		Course Title : पत्रकारिता	
COURSE OBJECTIVES:			
1- विद्यार्थियों को पत्रकारिता के स्वरूप, मूल तत्व, समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयामों और उसके प्रमुख प्रकारों का ज्ञान प्रदान करना।			
2- विद्यार्थियों का मुक्त प्रेस की अवधारणा का परिचय कराना।			
3- भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना अधिकार एवं मानवाधिकार आदि का ज्ञान प्रदान करना।			
4- पत्रकारिता से संबंधित लेखन संपादकीय फीचर आदि से अवगत कराना।			
COURSE OUTCOMES:			
CO 1- छात्र पत्रकारिता के स्वरूप, मूल तत्व, समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयामों और उसके प्रमुख प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।			
CO 2- छात्र मुक्त प्रेस की अवधारणा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।			
CO 3- छात्र भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना अधिकार एवं मानवाधिकार का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।			
CO 4- छात्र पत्रकारिता से संबंधित लेखन संपादकीय फीचर आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।			
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40	
Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5			
Unit	Topic	No. of Lectures-75	
I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	15	
II	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया।	15	
III	दृश्य समाग्री) कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स (की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन। पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन) follow up (आदि की प्रविधि।	15	

(Handwritten Signature)

IV	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता : रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इन्टरनेट की पत्रकारिता।	15
V	मुक्त प्रेस की अवधारणा। भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार। प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	15

सहायक ग्रंथ :

- हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन।
- पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन।
- हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ, डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन।
- पत्रकारिता के विविध रूप - रामचन्द्र तिवारी।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester :
Subject : Hindi		
Course Code : A011003T	Course Title : कथा-साहित्य	
COURSE OBJECTIVES:		
1- विद्यार्थियों को गद्य की विविधताओं एवं हिंदी कथा साहित्य की विभिन्न रचनाओं से अवगत कराना।		
2- उपन्यास एवं कहानी के स्वरूप, इतिहास एवं प्रमुख शैलियों का ज्ञान प्रदान करना।		
3- महिला कथाकारों और उनकी रचनाओं से परिचय कराना।		
4- प्रमुख प्रवासी कथाकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचय कराना।		
COURSE OUTCOMES:		
CO -1 छात्र गद्य की विविधताओं एवं हिंदी कथा साहित्य की विभिन्न रचनाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 2 -छात्र उपन्यास एवं कहानी के स्वरूप, इतिहास एवं प्रमुख शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 3 -छात्र महिला कथाकारों और उनकी रचनाओं से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
CO 4 -छात्र प्रमुख प्रवासी कथाकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।		
Credits – 4	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

(Handwritten signature)

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5

Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	उपन्यास एवं कहानी का स्वरूप, इतिहास, प्रमुख शैलियाँ, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों एवं कहानीकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य।	15
II	हिन्दी कहानी : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार, प्रेमचन्द्र - कफन, ईदगाह कमलेश्वर - राजा निरबंसिया निर्मल वर्मा - परिन्दे, गिरिराज किशोर - अन्तर्दाह, से .रा .यात्री -टापू पर अकेले।	15
III	मन्नू भण्डारी - आपका बन्दी, ममता कालिया -दौड़।	15
IV	मैला आंचल - फणीश्वर नाथ 'रणु',	15
V	बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद 'द्विवेदी'।	15

सहायक ग्रंथ :

- आपका बन्दी, मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- दौड़, ममता कालिया -वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- मैला आंचल - फणीश्वर नाथ 'रणु'।
- बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद 'द्विवेदी'।

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Fourth
Subject : Hindi		
Course Code : A011004T	Course Title : भाषा विज्ञान	

COURSE OBJECTIVES:

- 1- विद्यार्थियों को भाषा और भाषा विज्ञान एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं की जानकारी प्रदान करना।
- 2- हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय प्रदान करना।
- 3- हिन्दी के भौगोलिक विस्तार का परिचय प्रदान करना।
- 4- प्राचीन हिन्दी के भाषिक स्वरूप, शब्द रचना, रूप रचना एवं देवनागरी लिपि का परिचय प्रदान करना।

COURSE OUTCOMES:

CO 1- छात्र भाषा और भाषा विज्ञान एवं आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 2- हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 3- हिंदी के भौगोलिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO 4- छात्र प्राचीन हिन्दी के भाषिक स्वरूप, शब्द रचना, रूप रचना एवं देव नागरी लिपि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Credits – 4

Max. Marks : 100

Min. Passing Marks : 40

Total No. of Lectures - Tutorials - Practical (in hours per week) : 4-1-0=5

Unit	Topic	No. of Lectures-75
I	भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा, भाषा विज्ञान: स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रायोगिक), विश्व के भाषा परिवार।	15
II	स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ वागवयव, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था: खण्डन, स्वन-नियम। अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंधी, शब्द भेद, अर्थ परिवर्तन, दिशाएँ एवं कारण।	15
III	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ -पालि, प्राकृत) शाौरसेनी अर्धमागधी, मागधी (अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।	15
IV	हिन्दी का भौगोलिक विस्तार। हिन्दी की उपभाषाएँ : राजस्थानी, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी, तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ : खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।	15
V	हिन्दी का भाषिक स्वरूप। हिन्दी शब्द रचना- उपसर्ग प्रत्यय समास। रूप रचना -लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। देव नागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण। आंकडा संसाधन और शब्द संसाधन, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण।	15

सहायक ग्रंथ :

- जैन, प्रो .महावीर सरन, भाषा एवं भाषा विज्ञान, लोक भारती, इलाहाबाद।
- जैन, प्रो .महावीर सरन जैन, परिनिष्ठित हिन्दी का ध्वनिग्रामिक अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद।
- जैन, प्रो .महावीर सरन जैन, परिनिष्ठित हिन्दी का रूपग्रामिक अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद।
- हिंदी भाषा का इतिहास -डा .धीरेंद्र वर्मा

- हिंदी भाषा का उदभव और विकास - डा .उदयनारायण तिवारी।
- नागरी लिपि और उसकी विषेषताएँ -डा .नरेश मिश्र

Suggested Continuous Internal Evaluation Methods (25 Marks):

- Seminar/Assignment on any topic of the above syllabus.
- Test with multiple choice questions / short and long answer questions.
- Research Orientation of the student.
- Quiz

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Programme / Class Bachelor (Research) in Faculty	Year :	Semester : Fourth
Subject : Hindi		
Course Code : A010702T	Course Title : परियोजना/लघु शोध प्रबंध	
COURSE OBJECTIVES:		
1- अनुसंधान के मुख्य लक्ष्यों को स्थापित करना हैं जैसे नई जानकारी प्राप्त करना, समस्याओं का समाधान ढूंढना, नए तकनीकी समाधान विकसित करना।		
2- नई प्रक्रियाओं या उत्पादों की खोज करना और वैज्ञानिक या तकनीकी संबंधों में समझ बढ़ाना।		
3- शोधार्थियों में शोध प्रबंध लेखन की योग्यता विकसित करना।		
4- शोधार्थियों में उनके शोध के द्वारा ज्ञान क्षेत्र में सकारात्मक सहयोग करने की सामर्थ्य उत्पन्न करना।		
COURSE OUTCOMES-		
6. परियोजना शोध के क्षेत्र में नई जानकारी और अनुभव का विकास करता है जो आगे बढ़ने में मदद करता है।		
7. यह नए तकनीकी उत्पाद या प्रक्रियाओं का विकास करता है जो समाज को लाभ पहुंचाते हैं।		
8. यह अनुसंधानकर्ताओं की विशेषज्ञता को बढ़ाता है और उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में मान्यता प्राप्त करने में मदद करता है।		
9. शोध परियोजनाएं नए उत्पादों या प्रक्रियाओं के रूप में आर्थिक लाभ प्रदान कर सकती हैं और नौकरी के अवसर उत्पन्न कर सकती हैं।		
10. शोधार्थी शोध प्रबंध लेखन का ढंग सीख सकेंगे तथा शोध के क्षेत्र में अपना सकारात्मक सहयोग करने योग्य बन सकेंगे।		
आवश्यक निर्देश-		
छात्र /छात्राएँ विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक के सहयोग एवं अनुमति से/परियोजना/लघु शोध प्रबंध के विषय का चयन करेंगे। परियोजना/लघु शोध प्रबंध पत्र लगभग 50 पृष्ठों का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक द्वारा किया जाएगा। वायवा एवं परियोजना/शोध पत्र / Viva & Project/Research Paper 50+150 = 200 कुल अंक ।		

